बैलस्टिकि मसािइल रक्षा प्रणाली का द्वतिीय चरण का सफल परीक्षण

[स्रोत : द हिंदू]

[रक्षा अनुसंधान एवं वकिास संगठन (DRDO)] ने अपने **चरण-II** [बैलस्टिकि मसािइल डफिेंस (BMD)] **प्रणाली** का सफलतापूर्वक परीक्षण कयिा है, जो **लंबी दूरी की बैलस्टिकि मसािइल खतरों** से बचाव में भारत की उन्नत क्षमताओं को प्रदर्शति करता है।

- चरण-II प्रणाली **5,000 कलिोमीटर तक की दूरी तक** की बैलस्टिकि मसािइलों को रोक सकती है, जसिसे भारत की सामरकि सुरक्षा मज़बूत होगी।
  - **2,000 कलिोमीटर** तक की दूरी तक की मसािइलों को रोकने में सक्षम चरण-I की BMD पहले ही तैनात की जा चुकी है।
- चरण-II मसािइल एक दो-चरणीय ठोस प्रणोदन वाली ज़मीन से प्रक्षेपति की जाने वाली प्रणाली है, जसि अंतः से लेकर नमि्न बाह्य-वायुमंडलीय अवरोधन हेतु डज़िाइन कयिा गया है।
  - परीक्षण में लंबी दूरी के सेंसर, कम वलिंबता संचार और उन्नत इंटरसेप्टर मसािइलों सहति नेटवर्क-केंद्रति युद्ध हथयिार प्रणाली का प्रदर्शन कयिा गया।
- [कारगलि युद्ध] के बाद वर्ष 2000 में शुरू कयि गए **भारतीय बैलस्टिकि मसािइल रक्षा (BMD) कार्यक्रम** का उद्देश्य भारत को वशिेष रूप से पाकसि्तान और चीन से आने वाले मसािइल खतरों से बचाना है।
  - यह [पृथ्वी एयर डफिेंस] और **एडवांस्ड एयर डफिेंस** जैसी इंटरसेप्टर मसािइलों के साथ बहुस्तरीय दृष्टकिोण अपनाता है। हाल के प्रयासों में वैश्वकि सहयोग के माध्यम से क्षमताओं को बढ़ाने और [रूसी S-400 ट्रायम्फ] जैसी प्रणालयिों को हासलि करने पर ध्यान केंद्रति कयिा गया है।
  - DRDO चरण 1 और 2 में क्रमशः 2000 कमिी और 5000 कमिी तक की रेंज वाली मसािइलों का मुकाबला करने के लयि एक स्वदेशी बहु-स्तरीय नेटवर्क वकिसति कर रहा है।
    - इस नेटवर्क में आने वाली मसािइलों का पता लगाने और उन पर नज़र रखने के लयि नगिरानी रडार भी शामलि हैं।
- [भारत की बैलस्टिकि मसािइलें] **अग्नि, K-4 (SLBM), प्रहार, धनुष, पृथ्वी और त्रशिूल हैं।**

और पढ़ें: [शौर्य मसािइल]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/successful-phase-ii-ballistic-missile-defence-system-test